मावा निर्माण इकाइयों का निरीक्षण कर मावा व दूध के नमूने लिए

500 किलोग्राम मिलावटी दूध और मावे को मौके पर नष्ट करवाया

■ खाद्य सुरक्षा दल की चौमू के चीथवाड़ी में कार्रवाइ

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में आमजन को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए शुद्ध आहार, मिलावट पर वार अभियान चलाया जा रहा है। त्योहारी सीजन के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा आयुक्तालय द्वारा विशेष अभियान चलते हुए शुक्रवार को चौमू के पास चीथवाडी में विभिन्न मावा निर्माण इकाइयों का आकस्मिक निरीक्षण कर कार्रवाई की गई।

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि क्षेत्र में लगातार चल रही संदिग्ध मिलावटी मावे की शिकायतों के मद्देनजर पुलिस विभाग एवं आयुक्तालय खाद्य सुरक्षा की अलग-अलग टीमों का संयुक्त जांच दल का गठित किया गया। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह, संयुक्त आयुक्त डॉ विजय शर्मा एवं मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ रवि शेखावत के निर्देशन एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग से चीथवाडी गांव में मध्यरात्रि लगभग 2 बजे पहुंचकर 15 मावा निर्माण ईकाइयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 20 मावा एवं दूध के नमूने लिये गये। 2 निर्माण ईकाइयों पर मावा में मिलावट करने वाली स्कीम मिल्क पाउडर, वनस्पति एवं इनसे बने लगभग 500 किलाग्राम मिलावटी दूध एवं मावे को मौके पर नष्ट करवाया गया।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने बताया कि फर्म मावा निर्माता मदनलाल शर्मा द्वारा स्किम्ड मिल्क पाउडर, रिफाइंड सोयाबीन तेल, दूध आदि से मिलावटी मावा तैयार होना पाया जाने पर लगभग 50 किलो मावा 90 लीटर क्रीम निकला हुआ/कम फेट का दूध, 35 किलोग्राम स्किम्ड मिल्क पाउडर को मौके पर नष्ट कराया गया। इसी तरह फर्म फर्म लाला हरि एल.एच.मावा पनीर, द्वारा स्किम्ड मिल्क पाउडर, वनस्पति, दूध आदि से मिलावटी मावा तैयार होना पाया जाने पर लगभग 100 किलो मावा 125 लीटर घोल (क्रीम निकला हुआ/कम फेट का दूध व मिल्क पाउडर) 75 किलाग्राम स्किम्ड मिल्क पाउडर व 2 किलो वनस्पति को मौके पर नष्ट कराया गया।

डॉ. टी.शुभमंगला ने बताया कि फर्म कमल सेठू, फर्म मुकेश मावा पनीर भण्डार, फर्म बाबुलाल मावा पनीर उद्योग, फर्म आर.एल.मिल्क प्रॉडक्ट के निरीक्षण में साफ-सफाई व अन्य कई कमियां पाई गई, जिसके आधार पर उक्त फर्मों को सुधार हेतु खाद्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 32 के तहत नोटिस जारी किये गए। फर्म मुकेश मावा पनीर भण्डार एवं मदनलाल शर्मा मावा निर्माता के पास खाद्य अनुज्ञा पत्र नहीं होने पर धारा 63 के तहत प्रकरण न्यायालय में परिवाद दर्ज कराया जायेगा। उक्त कार्यवाही देर रात से अल सुबह तक जारी रही।खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने बताया गया कि निरीक्षण के दौरान 20 मावा एवं दूध के नमूने लिये गये। 2 निर्माण ईकाइयों पर मिलावटी मावा निर्माण में काम आने वाले दूध, स्कीम्ड मिल्क पाउडर, वनस्पति एवं इनसे बने लगभग 500 किलोग्राम मिलावटी दूध एवं मावे को मौके पर नष्ट करवाया गया। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में भी मिलावटी सामान की रोकथाम हेतु कार्यवाही जारी रहेगी। उक्त लिये गये नमूनों को जांच हेतु खाद्य प्रयोगशाला जयपुर भेजे गये है एवं प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित न्यायालयों में प्रकरण दर्ज करवाये जाएंगे। जिन फर्मों के पूर्व में भी नमूने जांच में फेल पाये गये है एवं न्यायालय द्वारा दंडित किया गया है, पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 64 के अन्तर्गत भी कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

कार्रवाई में गोविंदगढ़ वृताधिकारी राजेश जांगिड़, संयुक्त जांच दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित शर्मा, लोकेश शर्मा, देवेन्द्र सिंह राणावत एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम के खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद शर्मा, नरेश कुमार चेजारा, वीरेन्द्र सिंह, विशाल मित्तल, नरेन्द्र शर्मा, पवन कुमार गुप्ता भी शामिल थे।

रिश्वत मामले में आरोपी चिकित्सक और सहयोगी की अर्जी खारिज

रिश्वत मामले में आरोपी चिकित्सक और सहयोगी को नहीं मिली जमानत

जयपुर। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-1, महानगर द्वितीय ने ब्रेन कॉइल का बिल पास करने की एवज में एक लाख रुपए की रिश्वत लेने के मामले में एसएमएस अस्पताल के न्यूरो सर्जरी विभाग के एचओडी डॉ. मनीष अठावाल और उसके सहयोगी जगत सिंह को जमानत देने से इनकार कर दिया हैं इसके साथ ही अदालत दोनों आरोपियों की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है।

पीठासीन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार ने अपने आदेष में कहा कि मौजूदा समय में लोक सेवकों की ओर से कार्य करने में कमीशनखोरी की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना जरूरी है, ताकि आमजन के कार्य सुगमता से हो सकें और लोक सेवकों में भ्रष्टाचार के अपराध को लेकर भय पैदा हो। आरोपी चिकित्सक पर लोक कार्य की एवज में एक लाख रुपए की राशि राशि प्राप्त कर सह आरोपी जगत सिंह से मिलीभगत कर ट्रेप टीम के आने पर खुद को बचाने के लिए राशि के लिफाफे को खुर्द-बुर्द करने का प्रथम दृष्टया अपराध करना सामने आया है। इसके अलावा फिलहाल मामले में अनुसंधान विचाराधीन है।

में आरोपियों को जमानत का लाभ नहीं किया जा सकता। जमानत अर्जी में कहा गया कि आरोपी चिकित्सक के पास परिवादी का कोई काम पेंडिंग नहीं था। बिल राशि भुगतान के लिए अस्पताल की एक कमेटी बना रखी है। उसने परिवादी से रकम के लिए कोई मांग नहीं की है।

एसीबी में शिकायत दर्ज कराने तक वह उससे मिला नहीं था, उसे जमानत दी जाए। जिसका विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक शालिनी गौतम ने कहा कि आरोपी को रिश्वत राशि के साथ पकडा गया है। इसके अलावा अभियोजन के पास आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य हैं। ऐसे में उन्हें जमानत नहीं दी जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपियों की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया।

जन सुरक्षा योजना व बीमा लक्ष्मी योजना का शुभारंभ

जयपुर। भारतीय जीवन बीमा निगम के सीईओ व एमडी आर.दुरैस्वामि ने दो नई योजनाएं, एलआईसी की जन सुरक्षा और एलआईसी की बीमा लक्ष्मी शुरू की। ये नई अगली पीढ़ ी जीएसटी व्यवस्था में एलआईसी द्वारा पेश किए गए पहले दो उत्पाद हैं। वर्तमान परिवेश में, जब ब्याज दरें अस्थिर हैं, ये दोनों योजनाएं पॉलिसी अवधि के दौरान गारंटीड ॲडीशन्स प्रदान करती हैं। दोनों योजनाओं के तहत तीन वर्षों के प्रीमियम का भुगतान करने के बाद ऑटो कवर सुविधा उपलब्ध है।

एलआईसी की जन सुरक्षा योजना एक सूक्ष्म बीमा योजना है। इस योजना का उद्देश्य कम आय वर्ग के लोगों की जरूरतों को पूरा करना है। एलआईसी की बीमा लक्ष्मी विशेष रूप से महिलाओं के लिए परिकल्पित की गई एक बीमा योजना है जो जीवन बीमा, बीमित व्यक्ति की पसंद के अनुसार हर 2 वर्ष अथवा 4 वर्ष बाद या प्रीमियम भुगतान बंद होने के बाद आवधिक निश्चित धन वापसी, सीमित व्यापारियों को कवर और आकर्षक गारंटीकृत परिपक्वता लाभ प्रदान करती है।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को उम्रकैद

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर द्वितीय ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त अजीत सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 1.21 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त साल 2020 से ही दुष्कर्म के अपराध में शामिल रहा है। अदालत ने कहा कि अभियुक्त ने पूर्व में भी पीडिता का अपहरण किया था। उस समय पीड़ित पक्ष ने नरम दिली और 24 साल के इस अभियुक्त के भविष्य को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई नहीं करने को लेकर प्रार्थना पत्र दिया था। वहीं एक अन्य नाबालिग से दुष्कर्म करने का मामला भी आरोपी के खिलाफ लंबित है। ऐसे में अभियुक्त के साथ किसी तरह की नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने अदालत को बताया कि पीडिता की मां ने 14 जून, 2021 को करधनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया कि उसने पूर्व में अपनी बेटी के साथ दुष्कर्म करने को लेकर अभियुक्त के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। जिसमें अभियुक्त को जेल हो गई थी।

मेडिकल के दिए आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दोनों पांव से दिव्यांग बताकर आयुर्वेद विभाग में कंपाउंडर के पद पर नियुक्ति नहीं देने के मामले में राज्य सरकार आदेश दिए हैं कि वह याचिकाकर्ता का जोधपुर एम्स से पुनः मेडिकल कराए। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश सतीश कुमार शर्मा की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सीपी शर्मा ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार के आयुर्वेद विभाग ने कंपाउंडर पद पर भर्ती के लिए साल 2024 में भर्ती विज्ञापन जारी किया था।

आदेश की पालना करो, वरना प्रमुख गृह सचिव हाजिर होकर दें जवाब : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मृत सिपाही की स्पेशल पेंशन को लेकर दिए अदालती आदेश की सात साल में भी पूर्णतः पालना नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने 13 नवम्बर को प्रमुख गृह सचिव को पेश होकर अपना जवाब देने को कहा है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि आगामी सुनवाई पर पालना रिपोर्ट पेश कर दी जाती है तो प्रमुख गृह सचिव को हाजिर होने की आवश्यकता नहीं है। जस्टिस उमाशंकर व्यास की एकलपीठ ने यह आदेश सरिता की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि यह बड़े आश्चर्य की बात है कि अदालती आदेश के खिलाफ पेश अपील को खंडपीठ ने निस्तारित कर दिया और मामले में रिव्यू पिटीशन भी तय हो चुकी, लेकिन विभाग की ओर से आदेश की पालना नहीं की गई।

याचिका में अधिवक्ता सौगत राय ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के पति पुलिस में कांस्टेबल पद पर तैनात थे। एक मुकदमे में अनुसंधान के लिए जाते समय रास्ते में हुई दुर्घटना में उनकी मौत हो गई। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से पुलिस प्रशासन के समक्ष नियमानुसार दी जाने वाली स्पेशल पेंशन के लिए आवेदन किया, लेकिन याचिकाकर्ता को स्पेशल पेंशन जारी नहीं की गई। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से सात 2015 में याचिका दायर की गई। जिसे एकलपीठ ने साल 2018 में स्वीकार करते हुए एक माह में परिलाभ जारी करने के आदेश दिए। ऐसा नहीं करने पर अदालत ने दी जाने वाली राशि पर नौ फीसदी ब्याज अदा करने को कहा। याचिका में कहा गया कि इस आदेश की विभाग की ओर से खंडपीठ में अपील दायर की गई। अपील के लंबित रहने के दौरान विभाग ने याचिकाकर्ता को परिलाभ दे दिए, लेकिन ब्याज अदा नहीं किया। वहीं खंडपीठ ने अपील का निस्तारण करते हुए विभाग को एकलपीठ के समक्ष रिव्यू याचिका लगाने को कहा। इस रिव्यू याचिका को भी एकलपीठ ने तय कर दिया, लेकिन विभाग ने ब्याज राशि जारी नहीं की। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने आगामी सुनवाई तक पालना रिपोर्ट पेश नहीं करने पर प्रमुख गृह सचिव को हाजिर होने को कहा है।

दिव्यांग बच्चों ने प्रदर्शनी में भाग लिया

जयपुर। जेईसीसी सीतापुरा जयपुर में आयोजित हो रही नवीन आपराधिक कानूनों पर प्रदर्शनी में दिव्यांग बच्चों के समेकित और समावेशी शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत प्रयास वोकेशनल इंस्टिट्यूट फॉर मेंटली हैंडीकैप्ड के दिव्यांग बच्चों ने दौरा किया। यह प्रदर्शनी आम जनता और विशेष शिक्षा से जुडे हितधारकों के लिए आयोजित की गई है। प्रयास संस्थान की निदेशक सत्या सेंगाथिर ने बताया कि संस्थान में संचालित इंटीग्रेटेड और स्पेशल स्कूलों के साथ-साथ आरसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त डी.ईडी एसपीएल ईडी आईडीडी और बी.ईडी एसपीएल.ईडी आईडी पाठ्यक्रम विशेष शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए चलाए जा रहे हैं।

एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष सहित तीन को जमानत

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय में आरएसएस के शस्त्र पूजन कार्यक्रम के दौरान हंगामा करने और राजकार्य में बाधा पहुंचाने से जुडे मामले में एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ सहित तीन आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश विनोद जाखड़, किशोर और महेश की ओर से पेश जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

जमानत अर्जी में अधिवक्ता भरत यादव ने कहा कि राष्ट्रीय खेल अधिवेशन के नाम पर आरएसएस का शस्त्र पूजन कार्यक्रम विवि में आयोजित किया गया।

जिसका शांतिपूर्वक विरोध किया गया था। इससे आक्रोशित होकर एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं पर आरएसएस के लोगों ने हमला किया। वहीं पुलिस ने दबाव में आकर प्रार्थियों के खिलाफ ही मामला दर्ज कर लिया। मामले में एक तरफ तो उन्हें घटना के समय शांतिभंग और अपराध किए जाने की संभावना के आधार पर गिरफ्तार किया गया, वहीं दूसरी तरफ गंभीर धाराओं में अपराध करना मानते हुए उन्हें उसी घटनाक्रम में गिरफ्तार दिखा दिया। ऐसे में एक ही घटना की दो रिपोर्ट बनाना कानूनी रूप से स्वीकार नहीं है। इसके अलावा गिरफ्तारी से पूर्व धारा 41 के प्रावधानों की पालना नहीं की गई।

राजस्थान विधानसभा में 21 व 24 अक्टूबर का अवकाश घोषित

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने पांच दिवसीय दीपावली के त्योहार पर विधानसभा कर्मियों की सुविधा के मददेनजर राजस्थान विधानसभा सचिवालय में 21 व 24 अक्टूबर का अवकाश घोषित किया है। इस आशय के आदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव श्री भारत भूषण शर्मा ने शुक्रवार को जारी किए।

इस आदेश के बाद विधानसभा कर्मियों में खुशी की लहर है। विधानसभा कर्मियों व उनके परिजनों ने इसके लिए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का आभार जताया है।

शाहपुरा में डिजीटल कक्ष व सरस्वती मन्दिर का लोकार्पण

शाहपुरा (निस)। शाहपुरा में साहित्यकार अनुराग बाला पाराशर की स्मृति में गठित अनुराग बाला पाराशर फाउंडेशन की ओर से शुक्रवार को आदर्श विद्या मन्दिर माध्यमिक विद्यालय गांधीपुरी में नवनिर्मित डिजीटल कक्षा कक्ष एवं सरस्वती मन्दिर का लोकार्पण किया गया। दोनो का निर्माण लगभग 6 लाख रू की लागत से अनुराग बाला पाराशर फाउंडेशन ने कराया है। इस मौके पर बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए फाउंडेशन की ओर से शाहपुरा ब्लॉक में प्रथम दो स्थानों पर रहने वाली दो बालिकाओं का स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र एवं नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। शिक्षाविद प्रेमदेवी पाराशर के आतिथ्य में आयोजित समारोह मे बतौर अतिथि के पूर्व उपनिदेशक आयर्वुद डा. कमलाकांत शर्मा कमल, एसीबीईओ डा सत्यनारायण कुमावत, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष कन्हैयालाल वर्मा, सचिव विजय सिंह राणावत, विपिन सनाठ्य, संस्थापक डा कमलेश पाराशर, विद्यालय के प्रधानाचार्य दुर्गालाल जांगिड़ की मौजूदगी में आयोजित समारोह में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शाहपुरा ब्लॉक में प्रथम स्थान पर रही रिंकू द्वारका कीर फुलियाकलां व द्वितीय स्थान पर रही माया भेरूलाल गुर्जर डोहरिया को फाउंडेशन की ओर से स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र एवं नकद राशि देकर सम्मानित किया गया।

समारोह में पूर्व डीडी तेजपाल उपाध्याय ने कार्यक्रम की प्रस्तावना व अनुराग बाला के जीवन व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके रचनात्मक कार्यो पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डा.परमेश्वर कुमावत ने अनुराग बाला के साहित्य पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा राजकीय सेवा व साहित्य के क्षेत्र में की गई सेवाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि उनके गीत व कहानी पर फिल्में बन चुकी है। फाउंडेशन के संस्थापक डा कमलेश पाराशर ने सभी का स्वागत करते हुए आज धनवन्तरी जयंती की पूर्व संध्या होने पर सभी के स्वस्थ्य होने की कामना करते आज की पीढी में संस्कारों को पल्लवलित करने पर जोर दिया।

'मोरपाल सुमन जनसेवा की भावना से प्रेरित होकर कर रहे हैं कार्य'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया बाइट के दौरान कहा कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा अंता विधानसभा उपचुनाव में मोरपाल सुमन को पार्टी का आधिकारिक प्रत्याशी घोषित किया गया है। मोरपाल सुमन जैसे जमीनी कार्यकर्ता के माध्यम से पार्टी अंता की जनता को एक मजबूत, सजग और सेवाभावी नेतृत्व प्रदान करना चाहती है। यह निर्णय पार्टी की संसदीय बोर्ड की सहमति से लिया गया है।

मोरपाल समर्पित और कर्मठ कार्यकर्ता हैं, जो प्रारंभ से ही पार्टी की विचारधारा से जुड़े हुए हैं और विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते आ रहे हैं। वे एक सामान्य परिवार से आते हैं और जनसेवा की भावना से प्रेरित होकर निरंतर समाज के बीच कार्य कर रहे हैं। उनकी निस्कलंक छवि, सेवाभाव और संगठनात्मक क्षमताओं के आधार पर उन्हें प्रत्याशी बनाया गया है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा ने अंता विधानसभा क्षेत्र में गहन सर्वेक्षण, संगठनात्मक विचार-विमर्श और क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं से परामर्श के उपरांत यह निर्णय लिया है। विभिन्न सर्वेक्षणों में मोरपाल सुमन को क्षेत्र का सर्वाधिक लोकप्रिय और स्वीकार्य चेहरा पाया गया। चयन में सामाजिक समरसता, अनुभव, और जनता से जुड़ाव को प्राथमिकता दी गई है। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस प्रकार देशभर में सुशासन और विकास की नीति को बल मिल रहा है।

दीपावली पर्व पर विधान सभा अध्यक्ष ने दी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने प्रदेशवासियों को दीपावली पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। श्री देवनानी ने कहा है कि पंच दिवसीय दीपोत्सव साझे आनन्द का उत्सव है। इस त्यौहार को सभी लोग आपस में मिल-जुल कर मनाएं और समाज में आपसी सौहार्द, सद्भाव और खुशहाली का वातावरण बनायें।देवनानी ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि शुभ दीपोत्सव पर भारत की मिट्टी से बने दीप जलाएं ताकि संस्कृति की सौंधी खुशबू आये। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के जज्बे की तरह राष्ट्र के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाकर किसान और मजदूर की मेहनत को बढ़ावा देते हुए दृढ़ भारत का मान बढ़ाये और राष्ट्र प्रेम की लौ से भारत को रोशन करें।

दीपावली पर दिन-रात काम में जुटे कुम्हार, बाजार पहुंचे दीये

पावटा(निसं)। दीपावली के नजदीक आते ही कुम्हार दीये बनाने के काम में तेजी से जुट गए हैं। उन्हें उम्मीद है कि इस बार उनकी दीवाली भी रोशन रहेगी। दीपों के पर्व दीपावली नजदीक आ चुकी है। इस दौरान कुम्भकारों ने बताया कि दिन-रात काम कर रहे हैं। कुम्हारों को उम्मीद है कि अब उनका पुस्तैनी कारोबार फिर से लौट आएगा। दीपावली पर इस बार लोगों के घर आंगन मिट्टी के दीये से रोशन होंगे। बाजार में भी मिट्टी के दीये बिकने के लिए पहुंच गए हैं। लोगों ने दीयों की खरीददारी भी शुरू कर दी है। गांव में सदियों से पारंपरिक कला उद्योग से ठाामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में जहां पूरा सहयोग मिलता रहा, वहीं गांव में रोजगार के अवसर भी मिल रहा है। कई कुम्भकार इलेक्ट्रानिक चाक से मिट्टी को दीयों को स्वरूप दे रहे हैं। दीपावली 20 नबंबर को मनाई जाएगी। दीप पर्व पर मिट्टी के दीयों से घर को रोशन करने की परंपरा सदियों पुरानी है। गांव में मिट्टी दीये-बर्तन बनाने वाले कुम्भकारों ने बताया कि शुरुआत में दीयों की कीमत कम होती है। मगर जैसे-जैसे त्योहार नजदीक आता है और डिमांड बढ़ती जाती है, दीयों के रेट भी बढ़ते जाते हैं। दीपावली तक 100 रुपए सैकड़ा तक दीये बिक जाते हैं। डिजायनर दीये थोड़े महंगे होते हैं। हालांकि मिट्टी लाने व दीये बनाने से लेकर पकाने में जो खर्च होता है, उसके हिसाब से लाभ नहीं हो पाता। ऐस में लागत ही निकल आए, वही हमारे लिए बेहतर होता है।

सार-समाचार

टोडारायसिंह में 40 किलो मावा नष्ट

टोंक(निसं)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाये जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत टोडारायसिह उपखण्ड के कई प्रतिष्ठानों पर छापे मारे गए। जिसके अन्तर्गत खाद्य सुरक्षा की टीम ने कार्यवाही करते हुए 40 किलो खराब मावा और कई एक्सपायरी खाद्य पदार्थ नष्ट किए गए। इस अवसर पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी मदन लाल गुर्जर के नेतृत्व में टीम ने श्री जोधपुर मिष्ठान भंडार, लक्ष्मी मिष्ठान भंडार, जोधपुर मिष्ठान भंडार और साहू मिष्ठान भंडार से मावा और मावा बर्फी के नमूने लिए। निरीक्षण के दौरान लगभग 40 किलो खराब मावा मौके पर ही नष्ट किया गया तथा नक्श बेकरी में सॉस, बिस्किट और आइसक्रीम जैसे एक्सपायरी खाद्य पदार्थ पाए गए, जिन्हें तुरंत नष्ट करवाया गया। इन प्रतिष्ठानों को खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के तहत सुधार नोटिस भी जारी किए गए हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मदन लाल गुर्जर ने बताया कि जांच रिपोर्ट में मिलावट पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि दीपावली तक यह अभियान जारी रहेगा, ताकि उपभोक्ताओं को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री मिल सके।

सांभर में निगम का दीपावली मेंटेनेंस दे रहा लोगों को टेंशन

सांभरझील (निसं)। कई दशकों से हर बार निगम की चलने वाली दीपावली मेंटेनेंस की परंपरा यहां के लोगों के लिए मेंटली टेंशन देने का काम कर रही है। मेंटेनेंस के नाम पर सुबह का पता न रात का ठिकाना। अधिकतर संध्या आरती के पश्चात लाइट का गुल हो जाना उन महिला ग्रहणियों के लिए बेजा दंश दे रही है जो नियमित रूप से रसोई घर में अपने काम की शुरुआत करती है। जैसे ही खाना पकाने का दोर शुरु और लाइट गुल और चारों ओर छा जाता है घुप अंधेरा। प्रश्न इस बात का है कि दिवाली के नजदीक आते ही आखिर निगम को मेंटेनेंस की याद कैसे आती है, एक महीने पहले तो ठाले बैठे रहेंगे व फिर मेंटेनेंस के नाम पर कई घंटे तक घोषित व अघोषित विद्युत सप्लाई बंद कर दी जाती है। अच्छी बात है मेंटेनेंस होनी चाहिए लेकिन दीपावली के एन वक्त पर ही क्यों? यह के कई लोगों से बात की गई तो बताया कि दोनों दलों के नेताओं में राजनीतिक करंट ही नहीं है न तो उनमें करंट है और न ही यहां के नेता काम करने में खरंट है। लोगों का यह भी कहना है कि सांभर हर तरह से राजनीतिक नेतृत्व विहिन हो चुका है और सांभर की दशा और दिशा कौन बदलेगा इसका उत्तर किसी की पास नहीं है। निगम को चाहिए कि करीब एक माह पहले ही मेंटेनेंस का कार्य पूरा निपटा दें ताकि त्यौहारों के सीजन में बेवजह ही लोगों को इस परेशानी से नहीं जूझना पड़े।

केंद्रीय कारागार में बंदियों द्वारा बनाए जा रहे मिट्टी और गोबर के दीपक

दौसा(निसं)। दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में विशेष केंद्रीय कारागार, श्यालावास में बंदियों द्वारा पारंपरिक और पर्यावरण-अनुकूल दीपक तैयार किए जा रहे हैं। इन दीपकों का निर्माण बंदी लालचंद और अर्जुन द्वारा किया जा रहा है। यह पहल जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ की प्रेरणा से प्रारंभ की गई है तथा इसकी निगरानी जेलर विकास बागोरिया एवं उप जेलर दिलावर ख़ान द्वारा की जा रही है। जेल प्रशासन का उद्देश्य बंदियों को सृजनात्मक कार्यों से जोड़कर उनमें आत्मनिर्भरता और सकारात्मक सोच का विकास करना है। मिट्टी और गोबर से बनाए जा रहे ये दीपक पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए बंदियों की श्रमशीलता और कला का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। कारागार परिसर में दीपक निर्माण की इस पहल से दीपावली का उल्लास और अधिक बढ़ गया है। इस बार जेल प्रशासन जेल में बने दीपकों से ही जेल को रोशन करेगा ।

विधायक यादव ने शाहपुरा शहर में दीपावली की रामा-श्यामा की

शाहपुरा (निसं)। दीपों के पर्व दीपावली के अवसर पर शाहपुरा शहर में हर्षोल्लास और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर स्थानीय विधायक मनीष यादव ने अपने शाहपुरा नगरवासियों के साथ दीपावली की रामा-श्यामा की और सभी को शुभकामनाएँ दी। विधायक यादव ने शहर के प्रमुख बाजारों, मंदिरों और मार्गों पर नागरिकों से मुलाक़ात कर दीपावली की मंगलकामनाएँ दीं तथा स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और युवा साथियों के साथ दीपोत्सव की खुशियाँ साझा की। विधायक यादव ने कहा की दीपावली का पर्व अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य की जीत और अन्याय पर न्याय की विजय का प्रतीक है। यह पर्व हम सभी को समाज में प्रेम, सद्भाव और एकता के दीप जलाने की प्रेरणा देता है। विधायक ने इस दौरान स्थानीय मंदिरों में दर्शन किए, कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों से भेंट की और शहर की खुशहाली व समृद्धि की कामना की। नगरवासियों ने भी विधायक यादव का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके साथ दीपावली की शुभकामनाएँ साझा की।

आई हॉस्पिटल ने आंखों की अंधता से पीड़ित महिला को रोशनी लौटाई

देवली (निसं)। शहर के माहेश्वरी आई हॉस्पिटल के डॉक्टर एस एस लाठी ने आंखों की अंधता का एक सफल ऑपरेशन करके गरीब महिला को फिर से रंगीन दुनिया दिखाई दी। स्थानीय माहेश्वरी आई हॉस्पिटल के डॉक्टर एस एस लाटी ने मोतियाबिंद की बीमारी से ठास्त लाड देवी बैरवा उम्र 35 वर्ष अपनी दोनों आंखों की रोशनी चले जाने के कारण से कुछ देख नहीं पा रही थी। ऐसे में लाड देवी के परिजन उसे यहां अस्पताल में लेकर आए और इस दौरान लाड देवी के परिजनों ने बताया कि पिछले तीन वर्षों से लाड देवी की आंखों की रोशनी चली गई है ऐसे में वह,कुछ नहीं देख पा रही है अपनी आंखों की समस्या के कारण बेहद परेशान रहती है। साथ ही यह भी बताया कि लाड देवी बेरवा एक गरीब परिवार से है इसके माता-पिता नहीं है । डॉ लाठी ने उक्त महिला की आर्थिक स्थिति और परेशानी को देखते हुए सर्वप्रथम पीड़ित महिला को परामर्श दिया। इसके बाद डॉ लाठी ने साथ में आए रिश्तेदारों को बताया कि लाड देवी को उच्च गुणवत्ता के इलाज की जरूरत है। उच्च गुणवता के इलाज से लाड देवी की दोनों आंखें ठीक हो सकती है। और यह वापस से सब कुछ साफ साफ देख भी सकती है । इस पर परिजनों ने डॉक्टर से उक्त महिला की आंखों की बीमारी के इलाज का खर्च पूछा तो डॉक्टर लाटी ने उक्त गरीब महिला की स्थिति को ध्यान में रखते हुए नाम मात्र 15 हजार रुपए का खर्च बताया और कहा कि बिना इंजेक्शन से दूरबीन के जरिए कि।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कुंजीलाल मीणा को पुरस्कार से नवाजा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में एसीएस कुंजी लाल मीणा को धरती आबा अभियान में राजस्थान की ऐतिहासिक उपलब्धि पर पुरस्कार दिया।

जयपुर। जनजाति बहुल क्षेत्रों में विकास कार्य व सरकारी सेवाओं की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने, शिकायत निवारण प्रणाली को पूर्ण प्रभावी बनाने और जनजाति वर्ग के अधिकारों की अक्षरशः पालना, उनके कल्याण और उत्थान के मामले में राजस्थान देश में नम्बर 1 पर है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 'आदि कर्मयोगी अभियान' के नेशनल कॉन्क्लेव में राज्य के जनजाति विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री कुंजीलाल मीणा को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) में राजस्थान के देशभर में प्रथम रहने पर पुरस्कार प्रदान किया।

इस अवसर पर केन्द्रीय जनजाति विकास मंत्री जुएल ओराम और राजस्थान के जनजाति विकास मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी भी उपस्थित थे। धरती आभा अभियान का मकसद अपने अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जनजातीय समुदायों तक जागरूकता और पहुंच बढ़ाकर उनका सशक्तीकरण सुनिश्चत करना है। धरती आबा और पीएम-जनमन केन्द्र सरकार की बेहद उच्च प्राथमिकता वाले अभियान/योजनाओं में शामिल हैं, जिनकी प्रगति की मॉनिटरिंग करने तथा आवश्यकता वाले क्षेत्र में नवाचार के लिए बहुत उच्च स्तरीय सिस्टम कार्यरत है।

कार्यक्रम के बाद एसीएस श्री कुंजीलाल मीणा ने बताया कि इस अभियान में देश के 549 जिलों के 63,000 से अधिक जनजातीय बहुल गांव कवर किए गए हैं।

राष्ट्रव्यापी जागरूकता और लाभ संतृप्ति अभियान के रूप में संचालित इस अभियान में 207 जिलों की 29,000 से अधिक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) बस्तियां शामिल हैं।